

मसाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग **I—लव्य** 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 157]

नई विल्ली, मंगलवार, सि स्वर 15, 1970/भाद्र 24, 1892

No. 157]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 15, 1970/BHADRA 24, 1892

इस भाग में भिन्न पुब्ध संबंधा दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF FOREIGN TRADE

## PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 15th September, 1970

SUBJECT.—Grant of emergency licences for import of spares to Irrigation and Power Projects.

No. 141-TTC(PN)/70.—Attention is invited to para 193 in Chapter VIII of the I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1970, according to which the facility provided to Actual Users for the grant of emergency licences for import of spare parts will also be available to the Industrial Undertakings in the Public sector upto a total value of Rs. 10,000 in each case during the course of licensing period

2. It has been decided to extend the facilities mentioned above also to non-industrial undertakings in the Public sector viz. Irrigation and Power Projects for import of emergency spares upto a total value of Rs. 10,000 in each case during the course of a licensing period. Applications for emergency spares can be made by the Irrigation and Power Projects to the regional licensing authority concerned. In each application, the Irrigation and Power Projects should indicate the value of emergency spares licences already obtained or applied for during the licensing period.

3. The following new paragraph may, therefore, be deemed to have been added after the existing paragraph 217 of the I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure 1970.

"217-A The facility provided in paragraph 193 for issue of emergency licences for import of spare parts to Industrial undertakings in the Public sector upto a total value of Rs. 10,000 in each case during the course of a licensing period will also be available to Irrigation and Power Projects in the Public sector. Applications for emergency spares can be made by the Irrigation and Power Projects to the regional licensing authority concerned. In each application, the Irrigation and Power Projects should indicate the value of emergency spares licences already obtained or applied for during the licensing period."

R. J. REBELLO,
Crief Controller of Importors & Exports.

विवेश व्यापार मन्ना नय

सावजनिक सूचना

ब्रायत व्यापार नियंत्ररा

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1970

विवय: सिंचाई तथा विजली परियोजनाओं के लिए फालतू पुर्जी के ग्रायात के लिए ग्रापात लाइसेंस प्रवान करना।

सं 141-माई व्ही व्सी (पी एर्व) / 70. --श्रायात व्यापार नियंत्रण नियम भौर कार्य-विधि पुस्तक, 1970 (हैंड बुक) के श्रध्याय आठ में कंडिका 193 की श्रोर ध्यान आकृष्ट किय जाता है उसके श्रनुसार फालतू पुर्जों के श्रायात के लिए श्रापात लाइसेंस के लिए जी। सुविधाएं वास्तविक उपभोक्ताशों को श्रदान की गई हैं, वे सुविधाएं सरकारी क्षेत्र के श्रौद्योगिक संस्थानों को भी हर मामले में कुल 10,000 रुपये मूल्य तक के लिए लाइसेंस श्रविध के दौरान उपलब्ध कराई जाएंगी।

- 2. ऊपर बताई गई सीमा तक की सुविधाएं गैर-सरकारी क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों जैसे लाइसेंस अविध के दौरान अस्येक मामले में कुल 10,000 रुपये मूल्य के आपात् फालतू पूर्जों के आपात के लिए सिचाई और बिजली परियोजनाओं को भी देने का निश्चय किया गया है। सिचाई और बिजली परियोजनाओं द्वारा आपात् फालतू पूर्जों के लिए आवेदन पत्र सम्बन्धित क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी को दिए जा सकते हैं। सिचाई और बिजली परियोजनाओं को आपात् फालतू पुर्जों के लाइसेंस के लिए जो मृल्य पहले ही मिल चुका है या लाइसेंस की अविध के दौराम जितने के लिए आवेदम किया है उसे अस्येक आवेदन-पत्र में संकेत कर देना चाहिए।
- 3. ग्रतः निम्नलिखित नई कंडिका को नियम भौर कार्यविधि 1970 के श्रायात व्यापार नियंत्रण हैंडनुक की वर्तमान कंडिका 217 के बाद जोड़ा गया समझा जाए:—

"217-ए सरकारी क्षेत्र के भौद्योगिक संस्थानों को हर मामले में कुल 10,000 रुपये मूस्य तक के लिए लाइसेंस भवधि के दौरान कंडिका 193 में फालतू पुर्जों के भायात के लिए भागात स्नाइसेंस जारी करने की जो सुविधाएं प्रदान की गई हैं, वे सुविधाएं सरकारी क्षेत्र के सिवाई भौर बिजली परियोजनाओं को भी उपलब्ध कराई जाएंगा। सिचाई ग्रीर बिजली परियोजनाओ द्वारा ग्रापात फालतू पुर्जों के लिए ग्रावेदन-पत्न सम्बन्धित क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी को दिए जा सकते हैं। सिचाई ग्रीर बिजली परियोजनाओं को ग्रापात् फालतू पुर्जों के लाइसेंस के लिए जो मूल्य पहले ही मिल चुका है मा लाइसेंस की ग्रवधि के वौरान जिनने के लिए ग्रावेदन किया है उसे प्रत्येक ग्रावेदन-पत्न मे संकेश कर देना चाहिए।"

श्रार० **छे० रबैलो,** मुख्य नियंक्षक, श्रायात-नियात ।